देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 146 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
बीजेपी और कांग्रेस में सीधी टक्कर

पेज थ्री

देहरादून, बृहस्पतिवार, 14 सितंबर 2023

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 25.0°

67528.27

2 क्या इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करेंगी आप

7 खतरे में बाबर आजम की बादशाहत

नौकरी खोजने वाले अब दूसरों को दे रहे रोजगार: सीएम

सीएम ने 17 व्यक्तियों और संस्थाओं को एसडीजी एचीवर अवार्ड से किया सम्मानित

17 लोगों व संस्थाओं को मिला एसडीजी अवार्ड

वर्ष 2022 के लिए कुल 17 लोगों व संस्थाओं को एसडीजी गोलकीपर अवार्ड दिया गया। इसमें पांच व्यक्ति और 12 संस्थाएं शामिल हैं। अवार्डी चयन के लिए पूर्व मुख्य सचिव एन रविशंकर की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। जिसमें दून विवि की कुलपति प्रो सुरेखा डंगवाल, पलायन आयोग के उपाध्यक्ष एसएस नेगी भी सदस्य थे।

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सुभाष रोड स्थित होटल में आयोजित कार्यक्रम में 17 व्यक्तियों और संस्थाओं को एसडीजी एचीवर अवार्ड से सम्मानित किया। जिसमें 12 संस्थाओं एवं 05 लोगों को व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि वर्ष 2030 तक सतत विकास लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए जनपदों में प्रतियोगिता की भावना के दृष्टिगत इस वर्ष से ''एसडीजी एचीवर ट्रॉफी'' प्रदान की जायेगी जिसमें सभी 13 जनपदों के विजेता एवं उपविजेता घोषित किये जायेंगे।

एसडीजी को पंचायत स्तर तक क्रियान्वित करने के लिए वर्ष 2030 तक 17 सितंबर से 23 सितम्बर तक एस.डी.जी सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा। जिसमें सभी विकासखण्डों, पंचायतों विद्यालयों, जनपदों एवं राज्य स्तर पर कार्यशालाएं, जन जागरूकता कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि विकास के लक्ष्य को हासिल करने के लिये सभी को सम्मिलित रूप से प्रयास करने होंगे। आत्मनिर्भर उत्तराखण्ड बनाने के लिए सबको समन्वित प्रयास करने होंगे। बहुत सी संस्थाएं और व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम कर रहे हैं। ये सभी राज्य के विकास के ब्राण्ड एम्बेसेडर हैं। उत्तराखण्ड को श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिये हम सभी को मिलकर आगे बढ़ना है। इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाकर विकास जरूरी है। राज्य में सतत विकास लक्ष्य में बेहतर कार्य हो रहे हैं। एसडीजी इंडेक्स में उत्तराखण्ड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने के लिए और प्रयासों की भी उन्होंने जरूरत बताई। राज्य सरकार पीएम के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

इन्हें मिला अवार्ड: जगमोहन राणा, डॉ सुरभि जायसवाल, खस्ती कोरंगा, आरोही फाउंडेशन, भागीरथी फाउंडेशन, रचनात्मक महिला मंच, डिव इन प्रो, नौला फाउंडेशन, उत्तरांचल युवा, ग्रामीण विकास केन्द्र, देवकी देवी, ग्राम पंचायत रायगी, एग्री नेट फूड्स एंड बेव्रेज प्राइवेट लिमिटेड, जगदीश सिंह नेगी, शिप्रा कल्याण समिति, चंदन सिंह नयाल दर्पण समिति एवं कार्ड संस्था।

इस अवसर पर पूर्व मुख्य सचिव एवं ज्यूरी के अध्यक्ष एन रविशंकर, सचिव आर मीनाक्षी सुंदरम, यूएनडीपी की प्रतिनिधि इसाबेल त्सचान, सीपीपीजीजी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे।

सतत विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने सम्मानित होने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि इससे अन्य लोग और संस्थाएं भी प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि समाज और देश के लिये काम करने वाले व्यक्तियों से मिलकर वे स्वयं प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि सतत विकास वह विकास है जो भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है। उत्तराखंड सरकार भी सतत विकास के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। राज्य सरकार प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' को मूल में रखकर लक्ष्य प्राप्ति के पथ पर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम के आगामी पिथौरागढ़ भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की

संवाददाता देहरादून। अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी ने सचिवालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी पिथौरागढ़ भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। एसीएस श्रीमती राधा रतूड़ी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अक्टूबर माह में होने वाला पिथौरागढ़ भ्रमण कार्यक्रम राज्य के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

सीट बंटवारे पर नहीं हुआ फैसला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया की समन्वय समिति की पहली बैठक बुधवार को हुई। हालांकि इस बैठक में भी सीट बंटवारे को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई। बैठक में आगे की रणनीति, सीटों के तालमेल, चुनाव अभियान कार्यक्रम और जनसभाओं समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

हमें मीडिया ट्रायल की अनुमति नहीं देनी चाहिए

खफा सुको कहा- तीन महीने में बनाओ गाइडलाइंस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जनवरी में होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने श्मीडिया ट्रायल पर कड़ी आपत्ति जताई है। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग से लोगों को संदेह होता है कि आरोपी ने ही अपराध किया है। पीठ ने कहा कि मीडिया की खबरें पीड़ित की निजता का भी उल्लंघन कर सकती हैं।

शीर्ष अदालत ने बुधवार को गृह मंत्रालय को आपराधिक मामलों में पुलिस कर्मियों की मीडिया ब्रीफिंग के बारे में विस्तृत नियमावली तैयार करने का निर्देश दिया। मंत्रालय के पास एक विस्तृत मैनुअल तैयार करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया है। न्यायालय ने कहा, "सभी डीजीपी दिशा-निर्देशों के लिए अपने सुझाव एक महीने में गृह मंत्रालय को दें...एनएचआरसी के सुझाव भी लिए जा सकते हैं।"

अदालत ने कहा, मीडिया ट्रायल से न्याय प्रशासन प्रभावित होता है। यह तय करने की जरूरत है कि (जांच के) किस चरण में विवरण का खुलासा किया जाना चाहिए। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है क्योंकि इसमें पीड़ित और आरोपी के हित शामिल हैं। अदालत ने तर्क दिया, बुनियादी स्तर पर... भाषण और अभिव्यक्ति का मौलिक अधिकार सीधे तौर पर मीडिया के विचारों और समाचारों को चित्रित करने और प्रसारित करने के अधिकार के संदर्भ में शामिल है... लेकिन हमें मीडिया ट्रायल की अनुमति नहीं देनी चाहिए। लोगों को यह अधिकार है कि वे जानकारी तक पहुंचें।

पीठ ने संवेदनशीलता की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए कहा कि प्रत्येक राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारियों और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को एक महीने के भीतर गृह मंत्रालय को सुझाव सौंपने का निर्देश दिया गया है और अगली सुनवाई जनवरी में होगी। पीठ ने सभी राज्यों के पुलिस महानिदेशकों को आपराधिक मामलों में पुलिस की मीडिया ब्रीफिंग के लिए नियमावली तैयार करने के संबंध में एक महीने में गृह मंत्रालय को सुझाव देने का निर्देश दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 'आयुष्मान भवः' अभियान का किया शुभारंभ

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को देश भर में 'आयुष्मान भवः' अभियान का शुभारंभ किया। इस अभियान को राज्य में सीधे प्रसारण के माध्यम से देखा गया। आयुष्मान भवः अभियान का शुभारंभ के अवसर पर कोरोनेशन जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजपुर खजानदास ने प्रतिभाग किया। 'आयुष्मान भवः' अभियान के तहत गांवों में स्वास्थ्य मेलों के आयोजनों के साथ ही सेवा पखवाड़े में चलने वाले अभियानों के तहत सभी हेल्थ एवं वेलनेस सेंटरों,अस्पतालों में पीएम मोदी की जन्मतिथि के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक मुफ्त स्वास्थ्य जांच व उपचार किया जाएगा।

विधायक राजपुर खजान दास ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिन के अवसर पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक यह सेवा पखवाड़ा चलेगा। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक यह सेवा पखवाड़ा न्याय पंचायतों, ब्लाकों, हेल्थ एवं वैलनेस सेंटरों में व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय जैन, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय डॉ शिखा जंगपांगी सहित अन्य चिकित्सक एवं कार्मिक उपस्थित रहे।

अभियान

■17 सितंबर से दो अक्टूबर तक होगा मुफ्त स्वास्थ्य जांच व उपचार

योजनाओं का फायदा हर व्यक्ति तक पहुंचाने का अभियान

विधायक राजपुर खजान दास ने 'आयुष्मान भवः' अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हिंदुस्तान के लिए यह बहुत बड़ी पहल है। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं का फायदा हर व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ यह अभियान शुरू किया गया है। इससे लोगों के अंदर एक नई क्रांति आएगी और स्वास्थ्य के प्रति नई जागरूकता बढ़ेगी।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

हिन्दी देश की एकता एवं अखंडता का आधार

संवाददाता

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा है कि किसी भी देश की भाषा ही उसकी संस्कृति एवं परम्पराओं से जोड़ने में मददगार होती है। हिन्दी मात्र भाषा ही नही है बल्कि हमारी सभ्यता व संस्कृति की भी पहचान है। हिन्दी देश की एकता एवं अखंडता का भी आधार है। हिंदी एक उदार, ग्रहणशील और सहिष्णु भाषा तो है ही, ये भारत की राष्ट्रीय चेतना की संवाहिका भी है। यह हमारी परंपराओं और हमारी विरासत का बोध कराने वाला एक सतत अनुष्ठान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी वैचारिक निष्ठा हिन्दी के प्रति रही है। आज आधिकारिक मंचों से लेकर शिक्षा तक में हिंदी को अभूतपूर्व स्थान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा का और तेजी से प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए कहा कि देश की विभिन्न भाषाओं के साथ सामंजस्य बनाने की ताकत भी हिन्दी भाषा में है।